हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

अभ्यास-पत्रिका

कक्षा-ग्यारहवीं

निर्धारित पाठ्यक्रम

हिंदी की मानक वर्तनी, जनसंचार, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, पत्रकारिता एक परिचय, संचार, संचार के साधन, मुद्रण एवं यांत्रिकी माध्यम, विज्ञापन, पत्रकारिता, संपादकीय, समाचार, संपादक, रस, छंद, अलंकार, व्यावहारिकता के आधार पर जीवन मूल्यों से जुड़ी बातें, भाषा शिष्टता, अव्यय, शुद्ध शब्द, शुद्ध वाक्य, संचार के दृश्य एवं श्रव्य साधन, महासागरों के हिंदी नाम, अपठित गद्यांश या अपठित काव्यांश, पूर्वज्ञान पर आधारित व्याकरण संबंधी प्रश्न।

कृपया, ध्यान दें: इस प्रश्न-पत्रिका में दी गई सहायक सामग्री संकेत मात्र एवं अभ्यास के लिए है। अत: प्रतियोगी को रटवाने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करें।

1. विज्ञापन का अर्थ

'विज्ञापन' एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम किसी सामग्री या व्यक्ति विशेष के प्रति जन सामान्य को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। अंग्रेजी में विज्ञापन के लिए 'एडवर्टाइज' शब्द प्रयोग किया जाता है। एडवरटाइजिंग लैटिन भाषा के 'एडवर्ड' से बना है, जिसका अर्थ मस्तिष्क का केंद्रीय भूत होना है। दूसरे शब्दों में, मस्तिष्क को प्रभावित करना या किसी विशेष वस्तु या व्यक्ति विशेष के प्रति जन सामान्य के मस्तिष्क को आकर्षित करने का प्रयास करना ही विज्ञापन है। विज्ञापन शब्द 'वि' और 'ज्ञापन' इन दो शब्दों से मिलकर बना है वि से तात्पर्य विशेष से तथा ज्ञापन से तात्पर्य ज्ञान कराना अथवा सूचना देना है। इस प्रकार 'विज्ञापन' शब्द का मूल अर्थ है- किसी तथ्य या बात की विशेष जानकारी अथवा सूचना देना।

श्रव्य - रेडियो, टेप, रिकॉर्डर, तथा अध्यापन यंत्र

दृश्य - प्रोजेक्टर, एपिडायस्कोप तथा फिल्म स्ट्रिप्स

दृश्य श्रव्य - चलचित्र दूरदर्शन और वीडियो टेप रिकॉर्डर व कैसेट

दृश्य माध्यम (देखकर)–दृश्य माध्यमों में पोस्टर (इश्तहार) महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जिसे देखकर सूचना प्राप्त होती है।

श्रव्य माध्यम (सुनकर)–श्रव्य माध्यमों में रेडियो महत्त्वपूर्ण माध्यम है। परिमल पार्क ने कहा है कि वीडियो निरक्षरों के लिए भी एक वरदान है जिसके द्वारा व्यवस्थित सुनकर अधिक-से-अधिक सूचना, विज्ञान और मनोरंजन हासिल कर लेते हैं। रेडियो और ट्रांजिस्टर की कीमत भी बहुत अधिक नहीं होती। इसी कारण वह सामान्य जनता के लिए भी कमोबेश सुलभ है। यही कारण है कि व्यापक प्रसार के बावजूद तीसरी दुनिया के देशों में रेडियो का महत्त्व आज भी कायम है।

दृश्य-श्रव्य माध्यम (देखकर एवं सुनकर)–दृश्य श्रव्य माध्यम श्रेणी में दूरदर्शन व वीडियो आते हैं। इसमें तरंगों के माध्यम से एक साथ दृश्य और आवाज़ को दूसरे स्थानों पर भेजा जाता है। दूरदर्शन का आविष्कार जनसंचार के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति है। इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली पर आधारित टेलीविजन का विकास 1930 में हुआ। 2 नवंबर 1936 को लंदन में बीबीसी द्वारा नियमित इस सेवा का प्रारंभ हुआ भारत में दूरदर्शन का आगमन सन 1949 में हुआ।

शिक्षा सूचना तथा मनोरंजन जैसे उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इसका कार्य शुरू हुआ। धीरे-धीरे इस में विकास होता गया और सेटेलाइट इंस्ट्रक्शन टेलीविजन एक्सपेरिमेंट से अंतरिक्ष के साथ जुड़ गया और आज हर घर में हर व्यक्ति उसकी भाषा बोल रहा है।

2. संचार एवं संचार के माध्यम

'संचार' शब्द की उत्पत्ति 'चर' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है-चलना या एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचना। संचार से हमारा तात्पर्य दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच सूचनाओं विचारों और भावनाओं का आदान-प्रदान है। मशहूर संचार शास्त्री विलबर श्रैम के अनुसार ''संचार अनुभवों की साझेदारी है'' इस प्रकार सूचनाओं विचारों और भावनाओं को लिखित मौखिक या दृश्य श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है और इस प्रक्रिया को अंजाम देने में मदद करने वाले तरीके संचार माध्यम कहलाते हैं।

सूचनाओं विचारों और भावनाओं का लिखित मौखिक या दृश्य श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक आदान-प्रदान करना या एक जगह से दूसरी जगह पहुँचना संचार है। इस प्रक्रिया को संपन्न करने में सहयोगी तरीके तथा उपकरण संचार के माध्यम कहलाते हैं।

संचार मानव की प्रगति के लिए अति महत्त्वपूर्ण है । यह विश्व के एक देश में बैठे लोगों को दूसरे देशों से जोड़ता है। आज मानव सभ्यता प्रगति की ओर अग्रसर है । इसका प्रमुख श्रेय संचार के आधुनिक साधनों को जाता है ।

जैसे:- अखबार, रेडियो, टेलीविजन, फोन, इंटरनेट आदि।

जनसंचार–प्रत्यक्ष संवाद के बजाय किसी तकनीकी यांत्रिकी माध्यम के द्वारा समाज के एक विशाल वर्ग से संवाद कायम करना जनसंचार कहलाता है।

जनसंचार के माध्यम–अखबार, रेडियो, टी.वी., इंटरनेट सिनेमा आदि।

पत्रकारिता–पत्रकारिता ऐसी सूचनाओं का संकलन है जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि हो तथा जो अधिक-से-अधिक लोगों को प्रभावित करे।

समाचार–समाचार हर वह घटना है, जो पर्याप्त रूप से जनता का ध्यान आकर्षित करे और जनता से जुड़ी हो।

समाचार के छह ककार

किसी भी समाचार में घटना से जुड़े छह प्रश्न छह ककार कहलाते हैं।

कहाँ, कब, क्या, क्यों, कैसे, कौन

इसे 5W,1H भी कहा जाता है।

3. संपादन

संपादन किसी भी ऐसी ताजा घटना, विचार या समस्या की ऐसी रिपोर्ट जिसमें अधिक से-अधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिक-से-अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ता हो। संपादन प्रकाशन के लिए प्राप्त समाचार सामग्री से उसकी अशुद्धियों को दूर करके पढ़ने तथा प्रकाशन योग्य बनाता है।

संपादकीय

संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को जिसे संबंधित समाचार पत्र की राय भी कहा जाता है संपादकीय कहते हैं। संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार न होकर संबंध पत्र समूह की राय होता है। इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता है।

4. हिंदी की मानक वर्तनी

हिंदी भाषा में एकरूपता बनाए रखने के लिए उसका मानक रूप बहुत आवश्यक है। केंद्रीय हिंदी निदेशालय ने भी अपनी मानक वर्तनी प्रस्तुत की, जिससे हिंदी भाषा में एकरूपता लाने में बहुत बड़ी सफलता मिली।

मानक वर्तनी संबंधी कुछ बिंदु-

कारक चिह्नों को संज्ञा शब्दों से अलग लिखा जाए।

जैसे मनीष ने पीयूष को पढ़ने के लिए पुस्तक दी।

सर्वनाम शब्दों को कारक चिह्नों के साथ लिखा जाए।

जैसे- उसने, उसके आदि।

ट, ठ, ड, ढ आदि में हलंत लगाकर संयुक्त व्यंजन बनाए।

मानक वर्तनी के नए रुप– हिंदी, लिए, दुख, कुत्ता, विद्यालय, उत्तर, शुद्ध, उद्देश्य, लंबा, विद्युत, चंचल आदि।

5. हिंदी के छंद

जिसे गाया जा सके, जिस पर नाचा जा सके या बजाया जा सके, वह छंद है। जैसे:-दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया, कविता, हरिगीतिका आदि।

6. हिंदी में रस

रस के संदर्भ में कहा गया है कि जो चखा जाए और जिसका स्वाद लिया जाए वही रस है। भरतमुनि के अनुसार विभाव अनुभाव व्यभिचारी के संयोग से रस का निर्माण होता है। जब किसी कविता में हम सुख, दुख, हास्य, प्रेम, क्रोध आदि के भावों का अनुभव करते हैं तो उस कविता में वैसा ही रस उपस्थित होता है।

साहित्य में रस के प्रमुख भेद

रस	स्थायी भाव (भाव संकेत)
श्रृंगार रस	रति
करुण रस	शोक
वीर रस	उत्साह
रौद्र	क्रोध
वीभत्स रस	ग्लानि
भयानक रस	भय
वात्सल्य रस	वत्सलता
शांत रस	निर्वेद
अद्‌भुत	आश्चर्य
हास्य	हास

7. हिंदी के अव्यय

अव्यय का अर्थ है- अविकारी। अर्थात जिसमें विकार उत्पन्न न हो। अव्यय शब्द भी वाक्य में अपना बिना रूप बदले ज्यों-के-त्यों प्रयोग किए जाते हैं।

क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक 'अव्यय' की श्रेणी में आते हैं।

8. मुद्रण (प्रिंट) और यांत्रिकी माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक)

मुद्रण- मुद्रण का अर्थ है- प्रिंट (छापना)।

यांत्रिकी- यांत्रिकी का अर्थ है- इलेक्ट्रॉनिक।

पत्रकारिता के क्षेत्र में तरह-तरह के माध्यम का प्रयोग किया जाता है। मुद्रण माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र, पत्रिकाएं, पुस्तकें आदि हैं, जबकि यांत्रिकी माध्यम के अंतर्गत रेडियो, टेलीविजन, कंप्यूटर, वायरलैस, मोबाइल आदि आते हैं। इन्हें 'संचार के साधन' भी कहा जाता है।

9. मुहावरे

क्रमांक	मुहावरा	अर्थ
1.	आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
2.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
3.	आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
4.	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
5.	आग बबूला होना	बहुत क्रोधित
6.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि से काम न करना
7.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
8.	अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	स्वयं अपनी हानि करना
9.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग रहना
10.	उँगली पर नचाना	अपने वश में करके मन चाहा काम कराना
11.	अपना सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिंदा होना
12.	काम तमाम करना	मार डालना
13.	नौ-दो ग्यारह होना	भाग जाना
14.	उल्लू बनाना	दूसरों को मूर्ख बनाना

10. लोकोक्तियाँ

1. आम के आम गुठलियों के दाम - दुहरा लाभ कमाना।
2. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे - दोषी का ही निर्दोष पर दोष मढ़ना।
3. एक और एक ग्यारह - एकता में बल है।

4. जिसकी लाठी उसकी भैंस – बलवान के ही सब अधिकार हैं।
5. घर का भेदी लंका ढाए – आपसी फूट विनाश का कारण बन जाती है।
6. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है – एक बुरा व्यक्ति सारे समूह को बुरा बना देता है।
7. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली – अधिक छोटे और अधिक बड़े में कोई तुलना नहीं होती।
8. चार दिन की चाँदनी, फिर अँधेरी रात – थोड़े ही दिन के मज़े, फिर वही परेशानियाँ।

11. अलंकार

अलंकार का अर्थ है-आभूषण। जिस प्रकार आभूषण शरीर की सुंदरता बढ़ाते हैं, उसी प्रकार अलंकार कविता की सुंदरता बढ़ाते हैं।

अत: काव्य की शोभा बढ़ाने वाले धर्मों को अलंकार कहा जाता है।

अलंकार के दो भेद हैं-

1. शब्दालंकार- जब कविता में शब्दों के कारण सुंदरता बढ़ती है, तो वह 'शब्दालंकार' कहलाता है।
2. अर्थालंकार- जब किसी काम में अर्थ के आधार पर कविता की सुंदरता बढ़ती है तो वहां 'अर्थालंकार' होता है।

1. शब्दालंकार के भेद एवं उदाहरण

अनुप्रास अलंकार – 'चारु चंद्र की चंचल किरणें' (च और ल की आवृत्ति)

यमक अलंकार – 'काली घटा का घमंड घटा' (शब्द की आवृत्ति अर्थ अलग-अलग)

उपर्युक्त पंक्ति में घटा शब्द दो बार आया है, पहली घटा का अर्थ है-बादल और दूसरी घटा का अर्थ है-कम होना।

श्लेष अलंकार -श्लेष अलंकार का अर्थ है-चिपका हुआ। जब किसी पंक्ति में कोई शब्द एक से अधिक अर्थ देता है, वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

मधुबन की छाती को देखो।
सूखी कितनी इसकी कलियाँ।

(कलियाँ- फूल का अविकसित रूप, यौवन से पूर्व की अवस्था)

2. अर्थालंकार के भेद एवं उनके उदाहरण

उपमा अलंकार – (उपमेय को उपमान के समान या तुलना)

'मखमल के झूले पड़े हाथी-सा टीला'

यहाँ पर हाथी-सा में 'उपमा अलंकार' है।

रूपक अलंकार- (उपमेय को उपमान का पूर्ण रूप देना) 'आए महंत वसंत'

वसंत को महंत का पूर्ण दर्जा दे दिया गया है।

उत्प्रेक्षा अलंकार – (उपमेय में उपमान की संभावना)

'सोहत ओढ़े पीत पटु, स्याम सलोने गात।
मनो नीलमणि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात।।'

यहाँ पर श्री कृष्ण के शरीर एवं पीले वस्त्रों में नीलमणि पर्वत एवं सूरज की सुबह की किरणों की संभावना को प्रकट किया गया है।

मानवीकरण – (अमानव वस्तु में मानवीय गुणों का देखना)

'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।'

'कमलों ने अंगड़ाई लेकर सुंदर आँखें खोलीं।'

उपर्युक्त पंक्तियों में मेघों का बन-ठन के सँवरना तथा कमलों का अंगड़ाई लेकर सुंदर आँखें खोलना 'मानवीकरण' है।

अतिशयोक्ति – (अतिशयोक्ति का अर्थ है-बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना)

हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग।
लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग।।

स्पष्टीकरण-पूँछ में आग लगने से पहले लंका का जलना 'अतिशयोक्ति' है।

12. महासागरों के हिंदी में नाम

1. प्रशांत महासागर
2. अटलांटिक महासागर
3. हिंद महासागर
4. दक्षिणी महासागर
5. आर्कटिक महासागर

13. अशुद्ध वाक्यों के शुद्ध वाक्य

अशुद्ध		शुद्ध
पेड़ों पर तोता बैठा है।	–	पेड़ पर तोता बैठा है।
वह धीमी स्वर में बोलता है।	–	वह धीमे स्वर में बोलता है।
मैं यह काम नहीं किया हूँ।	–	मैंने यह काम नहीं किया है।
मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।	–	मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा।
मैंने तेरे को बहुत समझाया था।	–	मैंने तुझे बहुत समझाया था।
किसी और लड़के को बुलाओ।	–	किसी दूसरे लड़के को बुलाओ।
तुम क्या काम करता है?	–	तुम क्या काम करते हो?
सारी रात भर मैं जागता रहा।	–	मैं सारी रात जागता रहा।

14. शुद्ध शब्द

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
नोकरी	नौकरी	पितांबर	पीतांबर
गृहणी	गृहिणी	अंतरीक्ष	अंतरिक्ष
रुखा	रूखा	इमानदारी	ईमानदारी
चिन्ह	चिह्न	उनंचास	उनचास
अवश्यकता	आवश्यकता	कृशी	कृषि
आर्शिवाद	आशीर्वाद	स्थाई	स्थायी
चारागाह	चरागाह	साधू	साधु

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

कक्षा-ग्यारहवीं

अधिकतम अंक-200 **समयावधि-एक घंटा**

प्रतियोगी का नाम: .....

पिता/संरक्षक का नाम: .....

कक्ष निरीक्षक के हस्ताक्षर: .....

समान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल पचास प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं।
3. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।
4. सही उत्तर के सामने का गोला भरने पर चार अंक मिलेंगे तथा एक से अधिक गोला भरने या गलत उत्तर देने पर एक अंक काटा जाएगा।
5. सही उत्तर का गोला अधूरा या गलत ढंग से भरने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।
6. उत्तर का गोला भरने के लिए पेंसिल/नीले या काले पैन का प्रयोग करें।

नमूना प्रश्न-पत्र

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश की सहायता से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

'कामायनी' जयशंकर प्रसाद का एक प्रसिद्ध 'महाकाव्य' है। छायावाद के चार स्तंभकारों में से एक प्रसाद जी 'भारतीय संस्कृति के उद्गाता' माने जाते हैं। पंद्रह सर्गों में सृजित 'कामायनी' मानवता के विकास की एक कथा है। इसके मुख्य पात्र 'श्रद्धा', 'इड़ा' तथा 'मनु' हैं। 'श्रद्धा' हृदय का प्रतीक है, 'इड़ा' बुद्धि का तथा 'मनु' मन का। इन तीनों के सामंजस्य से ही मानव का निर्माण होता है। 'कामायनी' का पात्र 'कुमार' भी मानव का प्रतीक है। यह एक 'मनौवैज्ञानिक महाकाव्य' है। अत: 'कामायनी' को समझना सरल नहीं,

अपितु बहुत कठिन है। 'हिंदी साहित्य कोश' का मानना है कि कामायनी का कथातंतु अत्यंत क्षीण है। उसमें भी मनौवैज्ञानिकता एवं दार्शनिका का इतना जाटिल जंगल है कि जो केवल ऐसे पाठकों तक सीमित रह जाता है, जिनका बौद्धिक एवं सांस्कृतिक स्तर सामान्य धरातल से पर्याप्त ऊँचा है।

1. 'जयशंकर प्रसाद' के लिए कौन-सा 'विशेषण' उपयुक्त है?
   क) छायावाद के स्तंभकार ख) कामायनी के रचयिता
   ग) भारतीय संस्कृति के उद्गाता घ) उपर्युक्त सभी

2. कामायनी में 'मानव' का प्रतीक है-
   क) मनु ख) कुमार ग) प्रसाद (घ) तीनों पात्र

3. 'कामायनी' की कथा कैसी है?
   क) बिखरी हुई ख) मनौवैज्ञानिक
   ग) मानवता के विकास की कथा घ) उपर्युक्त सभी

4. 'अत्यंत' शब्द में 'उपसर्ग' है-
   क) अ ख) अति ग) अत्य घ) अंत

5. 'सांस्कृतिक' शब्द में प्रत्यय है–
   क) सम् ख) सन् ग) तिक (घ) इक

6. 'मुहावरा' क्या होता है?
   क) रूढ़ अर्थ देने वाला वाक्यांश
   ख) रूढ़ अर्थ देने वाला वाक्य
   ग) शाब्दिक अर्थ देने वाला वाक्य
   घ) शाब्दिक अर्थ देने वाला वाक्यांश

7. 'लोक के लिए कही गई उक्ति' क्या कहलाएगी ?
   क) लोकोकथन ख) लोकोक्ति ग) लोकसार घ) अन्य कोई

8. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द का सही रूप है-
   क) पत्ता ख) पत्ता ग) पतता घ) अन्य कोई

9. निम्नलिखित में कौन-सा 'मुहावरा' है?
   क) जैसे नागनाथ, वैसे साँपनाथ ख) कर भला सो हो भला
   ग) आटे-दाल का भाव मालूम होना घ) उपर्युक्त तीनों

10. 'यांत्रिकी माध्यम' का उदाहरण है-
    क) समाचार-पत्र ख) पत्रिका ग) पुस्तकें घ) अन्य कोई

11. 'दृश्य-श्रव्य साधन' क्या है?
क) रेडियो ख) टेलीविज़न ग) इश्तहार घ) तीनों

12. 'प्रिंट मीडिया' के लिए हिंदी में उपयुक्त शब्द हैं-
क) रंगीन माध्यम ख) मुद्रण-माध्यम ग) दृश्य-माध्यम घ) श्रव्य-माध्यम

13. 'संचार' शब्द किस धातु से बना है?
क) चर् ख) चार ग) सच घ) अन्य कोई

14. 'संचार' शब्द का क्या अर्थ है?
क) एक स्थान पर रहना
ख) एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्तियों को फ़ोन करना
ग) एक घटना को दूसरे स्थान तक पहुँचाने वाली प्रक्रिया
घ) इनमें से कोई नहीं

15. पत्रकारिता की भाषा में 'उलटा पिरामिड' क्या है?
क) किसी भवन की छत पर स्थित रडार
ख) अफ़वाह के आधार पर छपी खबर
ग) पहले महत्त्वपूर्ण खबर, फिर कम महत्त्वपूर्ण खबर
घ) देरी से प्राप्त खबर को वापस करना

16. 'संपादकीय' क्या है?
क) संपादक द्वारा किसी विषय पर छापा गया लेख
ख) संपादक द्वारा छापी गई पुस्तिका
ग) संपादक द्वारा तैयार किया गया विज्ञापन
घ) संपादक द्वारा किसी खबर में खोजी गईं त्रुटियाँ

17. 'समाचार' का शाब्दिक अर्थ है-
क) समान आचरण करना
ख) किसी घटना का पता लगाना
ग) समान चार घटनाएँ
घ) सामान्य ज्ञान की जानकारी

18. 'नौ-दो ग्यारह होना' मुहावरे का उचित अर्थ है-
क) नौ और दो ग्यारह होना
ख) एकता में बल होना
ग) सही तरह से समझाना
घ) भाग जाना

19. सही मुहावरे की पहचान कीजिए।
क) अंग-अंग ढीला होना
ख) अंग-अंग तंग होना
ग) अंग-अंग भंग होना
घ) संग-संग तंग होना

20. 'पूर्ण रूप से नष्ट करना' इस अर्थ के लिए उचित 'मुहावरा' है-
क) काम तमाम करना
ख) ईंट-से-ईंट बजाना
ग) पहाड़ टूटना
घ) उलटी तलवार लटकना

21. नीचे दी गई लोकोक्तियों के लिए सही शब्द का चयन कीजिए-
'.....बरखा जब कृषि सुखाने'
क) क्या ख) का ग) आई घ) गई

22. 'हाथ .....को आरसी क्या, पढ़े-लिखे को फ़ारसी क्या'
क) भजन ख) कंगन ग) गगन घ) लगन

23. '..... बिन होय न प्रीत गुसाईं'
क) तुम ख) हम ग) भय घ) धन

24. 'इज़्ज़त बचा लेना' वक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा है-
क) नाक रख लेना
ख) मुँहतोड़ जवाब देना
ग) नाक कटाना
घ) ईंट का जवाब पत्थर से देना

अपठित काव्यांश

निम्नलिखित पंक्तियों की सहायता से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

काम बहुत से ऐसे होते, करना जिन्हें ज़रूरी है,
कुछ करना या न करना पर, करना योग ज़रूरी है।
धीरे-धीरे रोग जब आते, तन को बहुत सताते हैं,
चल सकते न फिर सकते तब, शरण योग की आते हैं।
नित्य नियम से करें योग तो, खुशियाँ मिलती पूरी हैं,
बीमारी भी पास न आती, सभी को योग ज़रूरी है।
भेदभाव भी नही मानता, प्रेम का भाव जगाता 'योग',
साथ बैठकर योग जब करते, दिल की दूरी मिटता 'योग'।
आजकल की चीज़ नहीं है, बहुत पुरानी रीत है 'योग'
भारत की आभारी दुनिया, रोग-निवारक-औषधि 'योग'।

25. उपर्युक्त पंक्तियों के लिए उपयुक्त 'शीर्षक' है-
क) योग
ख) रोग निवारक योग
ग) योग: एक औषधि
घ) उपर्युक्त तीनों

26. 'चल सकते न फिर सकते तब' पंक्ति में आए 'फिर' शब्द का अर्थ किससे है?
क) बाद से (ख) पहले से ग) रोग से घ) चलने से

27. 'योग' किस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है?
क) रोगों के निवारण के लिए
ख) प्रेमभाव जगाने के लिए
ग) भेदभाव मिटाने के लिए
घ) उपर्युक्त सभी के लिए

28. 'योग' किसके लिए आवश्यक है?
क) बच्चों के लिए
ख) युवाओं के लिए
ग) बुजुर्गों के लिए
घ) सभी के लिए

29. 'बीमारी' और 'औषधि' शब्द का क्रमश: अर्थ है-
क) रोगी व इलाज
ख) रोगी व दवाई
ग) रोग व इलाज
घ) रोग व दवाई

नीचे दी गई पंक्तियों के रेखाकिंत अंश में उचित अलंकार छाँटिए-

30. 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा'
क) अनुप्राम ख) यमक ग) श्लेष घ) उपमा

31. 'फूल-सा बेटा होता, फुलवारी-सी बेटी'
क) यमक ख) श्लेष ग) उपमा घ) उत्प्रेक्षा

32. 'फूलों ने अंगड़ाई लेकर सुंदर आँखें खोलीं'
क) यमक ख) अनुप्राम ग) मानवीकरण घ) उत्प्रेक्षा

33. 'सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं' पंक्ति में कौन-सा 'रस' है?
क) करुण रस ख) वीर रस ग) वीभत्स रस घ) शांत रस

34. 'शांत रस' का उदाहरण है-
क) हरे-भरे मैदान हैं, सुंदर भारत देश
ख) एक राम-घनश्याम हित, चातक तुलसी दास
ग) दोनों
घ) इनमें से कोई नहीं

35. कभी अचानक भूतों का-सा और यह विकट महा-आकार
कड़क-कड़क जब हँसते हम सब, थर्रा उठता है संसार।

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा 'अलंकार' है?

क) मानवीकरण ख) यमक ग) श्लेष घ) अन्य

36. राम कहे वह कृष्ण मुझे, कोई कहे भगवान।
सभी के अंदर मैं बसा, दुनिया है अनजान ।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त 'छंद' का नाम है-
क) दोहा ख) सोरठा ग) चौपाई घ) सवैया

37. कौन-से छंद के प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ होती हैं?
क) दोहा ख) सोरठा ग) चौपाई घ) सवैया

38. पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' क्या है?
क) यंत्र का नाम ख) पत्रकार के कार्यक्षेत्र का नाम
ग) अधिक प्रचार-प्रसार घ) इनमें से कोई नहीं

मानक वर्तनी के आधार पर 'शुद्ध शब्द' छाँटिए।

39. क) उज्ज्वल ख) उजज्वल ग) उज्जवल घ) उजव्ल

40. क) श्रीमती ख) श्रिमती ग) श्रीमति घ) श्रीमिति

41. क) विद्युत ख) विद्धुत (ग) विधुत घ) अन्य

42. 'नेतृत्व' शब्द में कौन-सा 'वर्ण' नहीं है?
(क) ए ख) र ग) ऋ घ) अ

शुद्ध वाक्य छाँटिए। (33 से 35)

43. क) बेफ़िज़ूल की बात मत करो।
ख) फ़िज़ूल की बात मत करो।
ग) क व ख दोनों
घ) इनमें से कोई नहीं

44. क) यें पंक्तियाँ 'साकेत' ली हैं।
ख) ये पंक्ति 'साकेत' से ली हैं।
ग) ये पंक्तियाँ 'साकेत' में से ली।
घ) ये पंक्तियाँ 'साकेत' से उद्धृत हैं।

45. क) उसे अनेकों लोगों ने समझाया।
ख) उसे अनेक लोगों ने समझाया।
ग) उसको अनेकों लोगों ने समझाया।
घ) उसको अनेक लोगों ने समझाया।

46. भारत में किस अभियान पर बल दिया जा रहा है?
क) बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ।
ख) बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ।
ग) उपर्युक्त दोनों
घ) इनमें से कोई नहीं

47. स्वच्छता अभियान पर आधारित फ़ीचर फिल्म है–
क) टॉयलेट – एक प्रेम कथा ख) कबीर सिंह
ग) गलीबॉय घ) भारत

48. पुस्तकें कैसा 'माध्यम' हैं?
क) मुद्रण ख) यांत्रिकी ग) दोनों घ) अन्य कोई

रिक्त स्थान हेतु उचित शब्द चुनिए। (49-50)

49. भारत मंगल ..... पर 'मंगलयान' भेज चुका है।
क) ग्रह ख) गृह ग) उपग्रह घ) उपगृह

50. गीता में कहा गया है-
'..... किए जा, फल की चिंता मत कर।'
क) क्रम ख) कर्म ग) करम घ) कृम

उत्तर-संकेत

1. घ	11. ख	21. ग	31. ग	41. क
2. ख	12. ख	22. ख	32. ग	42. ख
3. घ	13. क	23. ग	33. ख	43. ग
4. ख	14. ग	24. क	34. ख	44. घ
5. घ	15. ग	25. घ	35. क	45. ख
6. क	16. क	26. घ	36. क	46. ख
7. ख	17. क	27. घ	37. ग	47. क
8. क	18. घ	28. घ	38. ख	48. क
9. ग	19. क	29. ग	39. क	49. क
10. घ	20. क	30. क	40. क	50. ख

ध्यान दें–इस अभ्यास-पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सूचित करने की कृपा करें।